

Stichiry 7. hlasu

na nedeľnej večeri a utierni

Texty stichír a nápev ZR podľa neumových prameňov 16.-17. storočia¹

- preložený do kyjevskej notácie v ruténskej redakcii popevkov²
- aplikovaný na nikonovský text
- upravený na spev³

* * * * *

Uvádzame radové stichiry veľkej večierne v sobotu večer a nedeľnej utierne. Doxastiká Bohorodičky (*dogmatiky*) sú spracované v samostatnom dokumente.

Hoci je 7. hlas pomerne jednoduchý s malým počtom popevkov v irmosoch a stichirách, táto jednoduchosť je vyvážená relatívne veľkým počtom *fit* a *líc*, ktoré v stichirách oktoichu nevieme vždy identifikovať, keďže všetky rukopisy namiesto štandardného označenia *fity* uvádzajú jej rozvod. Ak je to možné, pomáhamo si prekladom SI.

Rozpis:

Sobota večer/ Veľká večiereň/	Hospodi vozzvach/	3 anastasimá	Anast 1-3
		4 anatoliká (Bohorodičen dogmatik) ---	Anatol 1-4
	Stichovna/	prvá stichira	Apostich 1
		3 stichiry „abecedné“ (Bohorodičen) ---	Alfabet 1-3
Nedeľa ráno/ Utierneň/	Chvály/	prvé štyri stichiry 4 anatoliká	Anast 4-7 Anatol 5-6

© 2010 www.irmologion.nfo.sk

¹ Rukopisy Trojicko-Sergijevskej Lavry: S408, 410, 411, 413, 414, 415, 416, 429, 431, 432, 444; s prihliadnutím na preklad v SI a grécke pramene z 12.-14. storočia.

² Pri preklade sa usilujeme o maximálnu možnú vernosť. Predsa však na niektorých miestach evidentne prišlo k nepresnostiam v štruktúrovaní znam. melódie a vtedy ju opravujeme podľa gréckych nápevov. Ide o posuny predelov medzi kólami o jedno až dve slová.

³ Dbáme o súlad melodických a slovných prízvukov, ale zároveň sa usilujeme zachovať neumatický charakter melódie a normatívny tvar popevkov. Úpravy preto nie sú tak radikálne ako v ľvovskej či ruskej škole.

Въ сѣбѣѡтѣ на велицѣй вечерни, на Гдѣ воззвахъ стѣхны воєрѣны, гласъ 3.

Гдѣ, воззвахъ къ тебѣ, оубыиши мѣ.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Гдѣ, воззвахъ къ тебѣ, оубыиши мѣ:

вонми гласъ молѣнїа моегѡ,

внегда воззвахъ ти мѣ къ тебѣ.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Да испрѣвнѣа мѣтѣа моѣ, ѣкѡ кадило предъ тобою,

воздѣанїе рѣкъ моею, жертѣа вечернаа.

Оубыиши мѣ гдѣ.

Изведи мѣ изъ темницы дѡшѡ моѡ, исповѣдатнѣа имени твоемѡ.

Менѣ жадѡтъ правѣдницы, дондеже воздѣиши мнѣ.

Изъ глѡбнны воззвахъ къ тебѣ гдѣ, гдѣ, оубыиши гласъ мой.

Да бѡдѡтъ оуши твои, внемлющѣ гласъ молѣнїа моегѡ.

Ѧще беззаконїа назириши гдѣ, гдѣ, кѡто потерпѣтъ; ѣкѡ оу тебѣ ѡчищенїе єсть.

Имене радн твоегѡ потерпѣхъ тѣа гдѣ, потерпѣ дѡша моѣ въ слово твоѡ, оупова дѡша моѣ на гдѣ.

Ѧ стѣрѣжи оутреннїа до нѡци, ѡ стѣрѣжи оутреннїа, да оуповаѣтъ иишь на гдѣ.

Ѧкѡ оу гдѣ мѣтъ, и многое оу негѡ избавленїе, и тѡи избавитѣ ииша ѡ вѣхъ беззаконїи єгѡ.

Хвалите гдѣ вси ѣзыцы, похвалите єгѡ вси людїе.

Ѧкѡ оутвердїа мѣтъ єгѡ на насъ, и истина гдѣна пребывѣетъ во вѣкѣ.

Слава: Сѣгѡ минен. И нынѣ: Бѡродиченъ.

ANAST1

Δεύτε αγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ, 13

τῷ συντρίψαντι θανάτου τὸ κράτος, 11

καί φωτίσαντι ανθρώπων τὸ γένος, 11

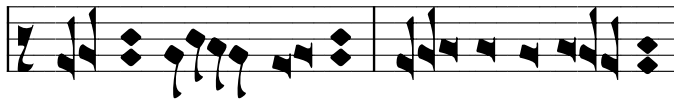
μετά τῶν Ασωμάτων κραυγάζοντες, 11

Δημιουργέ καὶ Σωτήρ ἡ-μῶν δόξα σοι.12

→ Ἡ̇зβед̇η̇ ἡ̇з̇ τεμνη̇цы̇ д̇ш̇δ̇ μο̇υ̇, ἡ̇ποβ̇ѣд̇ат̇и̇ε̇ ἡ̇μ̇ени̇ т̇во̇ε̇м̇δ̇.



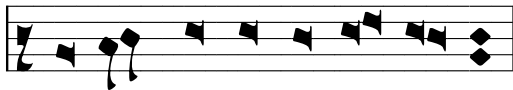
Πρ̇ι̇η̇-δ̇η̇-τ̇ε̇, βο̇з̇-ρ̇ά̇-δ̇ ε̇μ̇-ε̇α̇ γ̇ό̇- -ε̇πο̇- -δε̇-β̇η̇,



ε̇ο̇-κρ̇δ̇-σ̇η̇ή̇β̇- -σ̇η̇-μ̇δ̇ ε̇μ̇ε̇ρ̇-τ̇η̇ δ̇ε̇ρ̇-ζ̇ά̇-ε̇δ̇,



ἡ̇ προ̇-ε̇β̇ѣ̇-τ̇ή̇β̇- -σ̇η̇-μ̇δ̇ че̇-λο̇-ε̇ѣ̇-че̇ε̇-κ̇ι̇η̇ ρ̇ό̇δ̇ε̇,



ε̇ο̇ β̇ε̇з̇-π̇λό̇τ̇-н̇ы̇-μ̇η̇ з̇ο̇-ε̇δ̇-ц̇и̇ε̇:



ε̇ο̇- -δ̇ε̇ѣ̇- -τ̇ε̇- -лю̇ ἡ̇ ε̇π̇-ε̇ε̇ ἡ̇ά̇σ̇ι̇з̇, ε̇λ̇ά̇- -ε̇α̇ τ̇ε̇-ε̇ѣ̇.

ANAST 2

Σταυρόν υπέμεινας Σωτήρ, 8

καί ταφήν δι' ημάς, 6

θανάτω δέ ως Θεός, 7

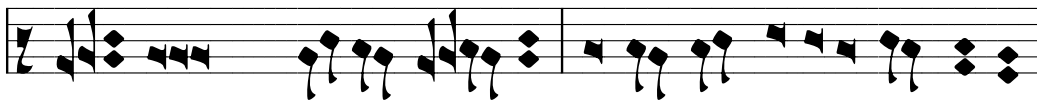
θάνατον ενέκρωσας, 7

διό προσκυνούμεν 6

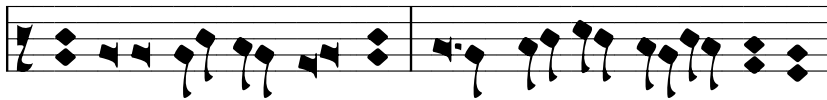
τήν τριήμερόν σου ανάστασιν, 10

Κύριε δόξα σοι. 6

→ Μενε жадѣтъ прѣвѣдннцы, дондеже воэдѣи мнѣ.



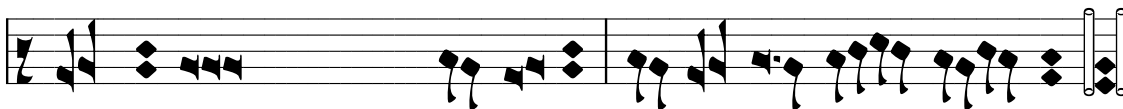
Κρίτѣ прѣтерпѣлѣз ѿ- сн̄ сн̄ - се, ѡ πο- гре- βѣ- нї- е нѣсѣз рѣ- дн̄,



смер- тї- ю же ѡ- κω бѣз смер- тѣ оу- мер- тѣнѣлѣз ѿ- сн̄.



тѣм- же по- кла- нѣ- ем- ѡ

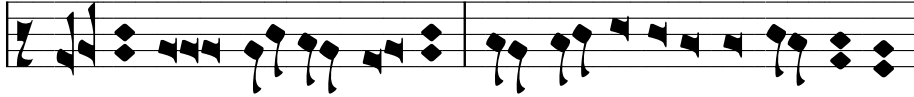


тѣ- днѣв- номѣ во- скре- сѣнїю тѣ- о- е- мѣ: го- спо- дн̄, сла- - ва тѣ- бѣ.

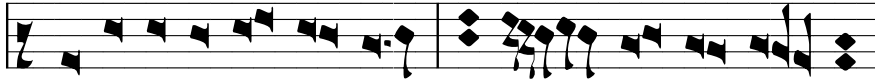
ANAST3

Απόστολοι ἰδόντες 7 τὴν Ἐγερσιν τοῦ Δημιουργοῦ, 9
εθαύμασαν βοῶντες 7 τὴν αἴνε--σιν τὴν Ἀγγελι-κὴν. 9
Αὕτη ἡ δόξα τῆς Εκκλησίας, 10
οὗτος ὁ πλοῦτος τῆς Βα-σιλείας, 10
ὁ παθῶν δι' ἡμᾶς, 6 Κύριε δόξα σοι. 6

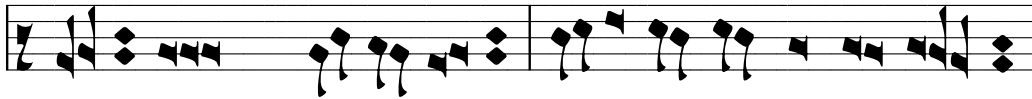
→ Ἡζ' ΓΛΩΚΗΝΥ ΒΟΖΒΑΧΖ ΚΖ ΤΕΒ'Ε Γ'Η, Γ'Η, ΟΥ'ΕΛΥΨΗ ΓΛΑΖ ΜΟΪ.



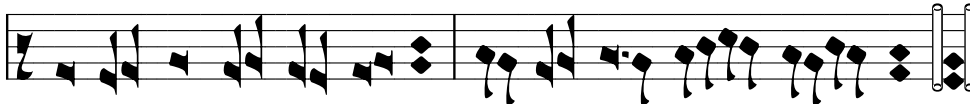
Ἡ_ΠΟ_ΥΤΟΛΗ ΒΗ_ - Δ'ΕΒ_ΨΕ ΒΟΕ_ ΚΡΕ_Ε_ΗΪ_Ε ΕΟ_Δ'Ε_ ΤΕ_ΛΩ,



Υ_Δ_Δ'Α_Χ'Ε_Ω, ΠΟ_ ΙΟ_ _ΨΕ ΧΒΑ_Λ' ἌΓ_ _ΓΕΛ'Ε_Κ'Δ_ ΙΟ:



ΕΪ_ Ἄ_ ΕΛΑ_ΒΑ Ἐ'ΥΤ'Ε_ Ψ'Ρ_ΚΟ'Β_ ΗΛ_Ω, ΕΪ_ Ε_ ΒΟ_ΓΑ'Τ_Ε'ΥΚΟ_ Ψ'Ρ_ Τ'Κ'Ι_ Ω:



ΠΟ_Ε'Τ'ΡΑ_Δ'Α_Β'ΥΗ_ ΗΛΕΖ_ ΡΑ_ΔΗ, ΓΟ_ ΕΠΟ_ ΔΗ, ΕΛΑ_ - ΒΑ_ ΤΕ_Β'Ε.

ANATOL1Κάν συνελήφθης Χριστέ, 7υπό ανόμων ανδρών, 7αλλά σύ μου εί Θεός, 7εμασίχθης τόν νώτον, 7Σταυρώ προσηλώθης, 6

εις τήν Έγερσίν σου

ο γαρ θάνατος σουκαί ουκ αισχύνομαι, 6ουκ αργούμαι. 4καί ου κρύστω, 5καυχώμαι, 9ζωή μου. 9

Παντοδύναμε καί φιλόανθρωπε, 10

Κύριε δόξα σοι. 6

→ **Α** Εὐδιδύτῃ οἴμῃ τῶν, ἐνέμαρψτε γλάδ μολέηδ μοεγῶ.

ἦ - _ψε ἡ ἰάτ' βύλι' εἰ-εὐ χῆ- τε, ὦ βεζ-ζα- _κόη- _ νηχ' μδ-ζέη:

НО тЫ МН εἰ-εὐ εἴ', ἡ νε πο-ετγιж-δδ- _ _ εω:

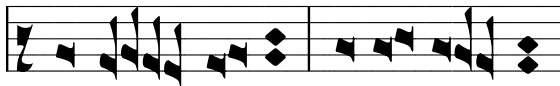
εἰ- εὐ βύλι' εἰ-εὐ πο πλε-ψέ- _μα, νε ὦ-με- τά-ιο-εω:

на κῆ- τῆ πρηγβοждένз βύλιз εἰεὐ, ἡ νε та- _ ю:

βο-ετά-ηἰ- εμ' τβο-ήμз χβα- λύ- _εω: εμέрт'τ' βο τβο- ἂ жн- βότ'з μόη,

βε-εήλβ-νε ἡ че-ло- вѣ- ко-λύб- че гó- спо-ди, ελά- _ _βα τε-ετῆ.

→ Ἄψε βεζζακῶνῆα ἡζρηση γᾶη, γᾶη, κτὸ ποετοήτῃ; ἰᾶκω οἶ τρεβὲ ὠνημιένιε ῥῆτῃ.



ΔΑ-ΒΗΔ - - ΕΚΟ-Ε Πῶ- ρό- -ΥΕ-ΥΤΒΟ



ἦε-ΠΟΛ-Ηᾶ - Δ Χῦ-Πόεζ, βε-ΛΗ-ΥΕ-ΥΤΒῆ-Ε ΒΖ εἶ- ὠ-Ηῆ ᾠ-ΛΗ- - -ΨΕ

ΕΒΟἸ



οἶ- ΥΕ - -ΗΗ- Κώμᾶ ᾠ- -Κρβίλᾶ ῥῆτῃ,



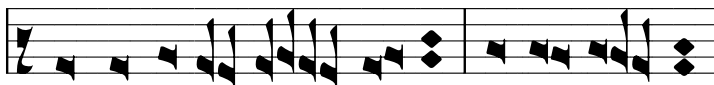
ΧΒΑ-ΛΗ-ΜΑ ΠΟ-ΚΑ-Ζῆ - Δ εε-βέ, ἦ ελᾶ-βΗ-ΜΑ Πῆ-εΗω,



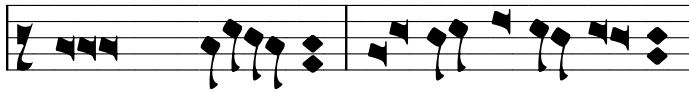
εο Ὄ- ᾠῆμῃ ζε ἦ Δῆ - -ΧΟΜῃ εβᾶ-Τῆμῃ:



Πῆ-βῆε οἶβω βεζ-Πλότ- ἡα, ἰᾶ- κω ελό-βΑ,



ΠΟ-εΛῆ-Δῆ ζε ἡἴεζ ρᾶ- ΔΗ ΒΟ-ΠΛΟ-Ψῆ- -ἡα,



НѢ ОУМЕРЦЕ-ЛѢ - НА ІА - КΩ ЧЕ-ЛО- В'Б-КА,



НѢ ВОС-КРѢ-ША СО ВЛА - ГИ - Ю, ІА - КΩ ЧЕ - ЛО-В'Б - КО - ЛІБ-ЦА.

ΑΝΑΤΟΛ3

Κατήλθες εν τῷ Ἄδῃ 7
 Χριστέ **ὡς** ηβουλήθης, 7

εσκύλευσας τὸν θάνατον, 8

ὡς Θεός καί Δεσπότης, 7

καί ανέστης τριήμερος, 8

συναναστήσας τὸν Ἀδάμ, 8

ἐκ τῶν τοῦ Ἄδου δεσμῶν 7

καί τῆς φθοράς, 4

κραυγάζοντα καί λέγοντα, 8

Δόξα τῇ Αναστάσει σου, 8

μόνε φιλόνηθρωπτε.6

→ Ἦμενε βῆδη τβοεγῶ ποτερπηχζ τὰ γᾶη, ποτερπηῖ δδωλὰ μοῶ βζ ελόβο τβοέ,
 οὔποβὰ δδωλὰ μοῶ ηα γᾶη.



βο-υελᾶ ἔ-εὐη βο ἄδζ χῖ-τῆ, ἰᾶ-κο-ζε βοε-χο-τῖεῶ ἔ-εὐη:



ἦε-προ-βέργῶ ἔ-εὐη εμερτῖ, ἰᾶ-κω βῖζ ἦ βλα-δβί-κα:



ἦ βοε-κῖεῶ ἔ-εὐη τρη-δνέ-βενᾶ,



εο-βοε-κῖεῶ



ἰ-δά-μα ὦ ἰ-δο-βυχζ οὔζζ ἦ τλιῖ-ἦ-α,



ζο-βδ-ψα ἦ γλα-ρό-λυ-ψα:



εἰᾶ-βα βοε-κρε-εῖ-ἦ-ἦ τβο-ε-μδ ἔ-δῆ-νε γε-λο-βῖε-κο-λύβ-γε.

На στιχόνηκ στιχηры воисѣны, гл҃аєз 3:

ΑΡΟΣΤΙΧΗ

1. Ανέστης εκ τού τάφου, 7 Σωτήρ τού κόσμου, 5
καί συνήγειρας τούς ανθρώπους, 9 σύν τή σαρκί σου, 5
Κύριε δόξα σοι. 6



βοε-κῆλζ εἰ-ἠ ἠζῖ γρό- - βα επ- εε μί- -ρα,



ἠ εο-βοζ-δβήγλᶜ εἰ-ἠ γε- λο- βῆ- - κη

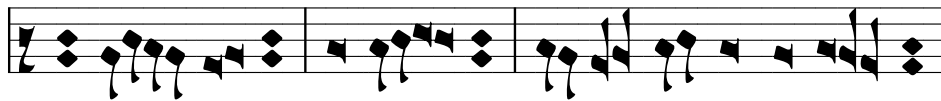


εζ πλό-τῖ-ю τβο-έ- ю: γό- επο-δι ελά- - βα τε-βῆ.

ALFABET 1

Τόν αναστάνα εκ νεκρών, 8
 καί φωτίσαντα τά πάντα, 8
 δεύτε προσκυνήσωμεν, 7
 εκ τής τού Άδου γάρ τυραννίδος, 10
 ημάς ηλευθέρωσε, 7
 διά τής αυτού τριημέρου Εγέρσεως, 13
 ζωήν ημίν δωρησάμενος, 9
 καί τό μέγα έλεος. 7

→ ГѢ КОЦРѢСА, ВЗ ЛѢПОТЪ ѠБЛЕЧЕСА.



κοε_ κρ̂ - σε_μδ̂ η̂ζ̂ μερ_τβιχζ, η̂ προ_εβτ_τ̂ηβ_σε_μδ̂ εβ̂,



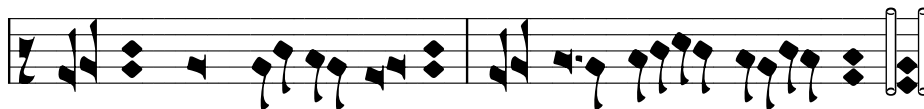
πρ̂_η_ - δ̂η_ - -τε πο_ κλο_η̂ημ_εα:



Ѡ̂ ḷ - до_ва бо мδ_ч̂η_ - -тель_с̂тва η̂ς̂ εβο_εο_δ̂ηλз̂ ς̂г̂тъ,



εβο_η̂μз̂ τ̂ρη_δ̂η̂εβ_η̂μ̂з̂ βοε_κρε_ε̂η̂_ - εμз̂



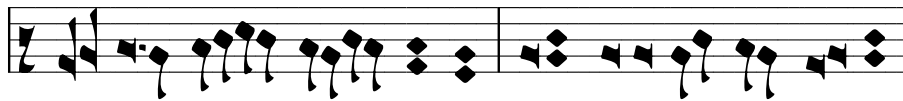
жн_вот̂з̂ η̂μз̂ да_ро_ - в̂а_в̂ы̂η̂, η̂ в̂ε_ - л̂ι_ - - ю м̂η_λο̂г̂тъ.

Υπό τόν Ἀδην κατελθών Χριστέ, 10 θάνατον εσκύλευσας, 7
καί τριήμερος αναστάς, 8 ημάς συνανέστησας, 7
δοξάζοντας τήν σήν παντοδύναμον Ἐγερσιν, 14
Κύριε φιλάνθρωπε. 7

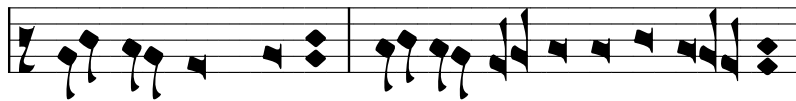
→ Ἦκο οὐ̇τ̇βε̇ρ̇δ̇η̇ βε̇λε̇ν̇η̇δ̇ι̇ο,̇ ἰ̇α̇ζε̇ η̇ε̇ πο̇δ̇ε̇β̇η̇ζ̇η̇τ̇ε̇α.



βο ἄδζ σο - - σιδά^z χρ̇ - τε, εμέρτ^h πλ^h - ηήλζ ε̇ - ει̇,



η̇ τρη - δνέ - - βενζ βοε - κ̇ρε̇ζ, η̇άεζ σο - βοε - κ̇ρ̇ - ει̇λ^z ε̇ - ει̇,



ελά - βα - ψηχ^z τβο - ε̇ βρε - ει̇λ^h - νο - ε βοε - τ^h - η̇ι̇ - ε,



γό - επο - δη γε - λο - β^h - κο - - λιόε - γε.

⁴ Posledné dva riadky sú iba podľa S430; iné rkp. tu majú text vymenený so záverom nasledujúcej stichiry.

Φοβερός ώφθης Κύριε, 8
 εν τάφω κείμενος 6 ως ο υπνών, 4
 αναστάς δε τριήμερος 8 ως δυνατός, 4
 τόν Αδάμ συνανέστησας 8 κραυγάζοντα. 4
 Δόξα τή Αναστάσει σου, 8 μόνε φιλόανθρωπε. 6

→ Δόμδ твоемδ подобаетъ еѣйна, гдн, въ долготѣ днѣ.



Стрѣ шенъ ѣвнѣа ѣ-ѣн гό-по- дн,



во гробѣ ле-жѣ ѣ-кω επλ: वो-κρέεѣ же трнхнѣвенѣ ѣ-кω ѣ-ленъ,



ѣ-дѣ-ма сово-кѣ-ѣнѣ ѣ-ѣн зо-вѣ-ца: ѣ-ла - ва



во-κρε-ѣ-нѣ-ю тво-емѣ, ѣ-дн-не че-ло-вѣ-ко-люб-че.

На хвалитѣхъ стїхїры во крѣны, гласъ 3.

Всѣ́кое ды́ханїе да хва́литъ гдѣ.
Хва́литѣ гдѣ еъ нѣсъ,
хва́литѣ ѣгò въ вѣ́шнихъ.
Тебѣ́ подо́баетъ пѣ́снь бгѣ.

Хва́литѣ ѣгò въ ѿ́ггн ѣгò,
хва́литѣ ѣгò въ ѿ́ сїлы ѣгò.
Тебѣ́ подо́баетъ пѣ́снь бгѣ. --- --- ---

Ѡ заѣ́ начинѣемъ стїхїры на 5:

Сотвори́ти въ нїхъ сдѣ́з напїсанъ:
сї́лва ѿ̀а̀ бгѣ́тъ въѣ́мъ прѣ́нымъ ѣгò.

Хва́литѣ бгѣ во стѣ́хъ ѣгò,
хва́литѣ ѣгò во о́твѣрженїи сїлы ѣгò.

На 4:

Хва́литѣ ѣгò на сїла́хъ ѣгò,
хва́литѣ ѣгò по мно́жествѣ́ вели́чествѣ́а ѣгò.

Хва́литѣ ѣгò во гласѣ́ трѣ́внѣ́мъ,
хва́литѣ ѣгò во ѱалтї́ри ѿ́ гл҃ехъ.

Хва́литѣ ѣгò въ тѣ́мпанѣ́ ѿ́ лицѣ́,
хва́литѣ ѣгò во стрѣ́нахъ ѿ́ о́рганѣ́.

Хва́литѣ ѣгò въ кѣ́мбѣ́лѣхъ до́брогласныхъ.
хва́литѣ ѣгò въ кѣ́мбѣ́лѣхъ во́склицанїа.
Всѣ́кое ды́ханїе да хва́литъ гдѣ.

Во крѣ́ни гдѣ́ бгѣ́ мо́й, да вознесѣ́тъя рѣ́кѣ́ твоѣ́,
не забѣ́ди о́убо́гихъ твои́хъ до концѣ́.

И́сповѣ́мся тебѣ́́ гдѣ́ въѣ́мъ сѣ́рдцемъ мои́мъ,
повѣ́мъ въ ѿ́ чдѣ́а твоѣ́.

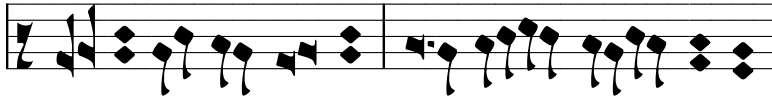
ANAST4

Ανέστη Χριστός εκ νεκρών, 8
 λύσας θανάτου τὰ δεσμά, 8
 ευαγγελίζου γῆ χαρὰν μεγάλην, 11
 αινεῖτε οὐρανοὶ Θεοῦ τὴν δόξαν. 11

→ Сопокро́ти въ нѣхъ еѡзъ напѣсанъ: слава еѡ еѡдетъ въ ѡмъ прѣбываѡмъ ѡгѡ.



βο-κρ̄-ε χ̄ρ̄-τόε̄ ἡ̄ζ̄ μέρ-τ̄βιχ̄, ραζ- ρδ̄ω̄ εμ̄έρτ-ημ-α οῦ-ζ̄βι:



εἰ-γο-β̄-ετ̄η̄ ζ̄εμ-λε̄, ρά-δοστ̄β̄ κέ- -λί-ῑο,

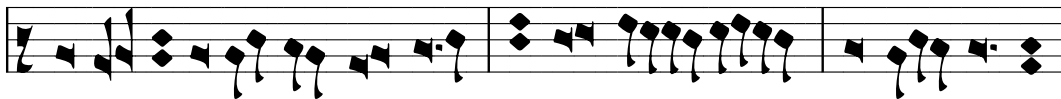


πό-η̄-τε̄ ηε-βε-εἰ̄ βό-ζ̄ῑ - -ῑο̄ ελα-β̄δ̄.

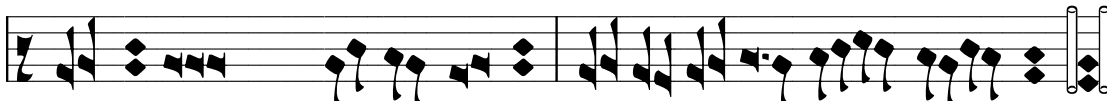
ANAST5

Ανάστασιν Χριστοῦ θεασάμενοι, 11
 προσκυνήσωμεν ἅγιον Κύριον, 11
 Ἰησοῦν τὸν μόνον ἀναμάρτητον. 11

→ Хвали́те еѡа во с̄г̄ы̄хъ ѡгѡ, хвали́те ѡгѡ во оῦт̄вер̄ж̄е̄н̄ӣӣ с̄ӣлы̄ ѡгѡ.



βο-κρε-ε̄-η̄ῑ ε̄ χ̄ρ̄-τό-βο β̄-δ̄ε̄β-σε, πο-κλο-η̄μ-εα



ε̄β̄-τό-μ̄δ̄ γ̄όποδ̄ ἰ- -η̄-ε̄δ̄-εδ̄: ѡ-δ̄η̄-νο-μ̄δ̄ β̄εζ- -γρ̄̄ε̄ω̄-νο-μ̄δ̄.

ANAST6

Χριστού τὴν Ανάστασιν, 7
προσκυνοῦντες ου παύομεθα, 9
αὐτὸς γάρ ημᾶς ἔσωσεν, 8
ἐκ τῶν ανομιῶν ημῶν, 8
ἅγιος Κύριος Ἰησοῦς, 8
ὁ δεῖξας τὴν Ανάστασιν. 8

→ Χβαλί́те ε̇го на сілаχз ε̇го, хвалі́те ε̇го по мнѡже́ствѣ вєлічєствѣа ε̇го.



Χρ̇-τό-βδ βοε-κρε- εέ- - - нї-ю κλά-ηα-ю- ψε- εα не пре-ετá- емз:



τόη βο ε̇π̇ελ̇ ε̇ετ̇ά ηάεζ ѿ βєз-за-κό-нїѣ ηά- шηχ̇,



εβα-тѣѣ го-сподѣ і- н- εδ̇εз, гав- лєѣ βοε-κρε- εέ- - - нї- ε.

ANAST7

Τί **ανταποδώσωμεν** 8 τώ Κυρίω, 3
περί πάντων 3
ών **ανταπέδωκεν** ημίν, 8

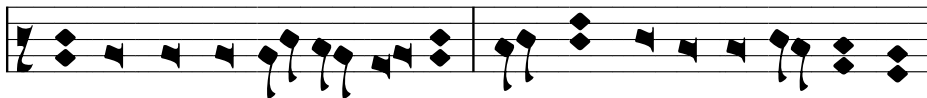
δι' ημάς Θεός εν ανθρώποις, 9
διά τήν καταφθαρείσαν φύσιν, 10
ο Λόγος σάρξ εγένετο, 8
καί **εσκήνωσεν** εν ημίν. 8

πρός τοὺς **αχαρίστους** ο Ευερ- - γέτης, 11
πρός τοὺς **αιχμαλώτους** ο Ελευθερωτής, 12
πρός τοὺς εν σκότει καθημένους, 9
ο Ἥλιος τῆς δικαιοσύνης 10

ἐπὶ τόν Σταυρόν ο απαθής, 9
ἐπὶ τόν Ἄδην τό φώς, 7
ἐπὶ τόν θάνατον η ζωή, 9
η Ανάστασις διά τοὺς πεσόνας, 11

πρός ὄν βοήσωμεν, 6
ο Θεός ημῶν **δόξα** σοι. 8

→ **Χ**βαλήτε ἑγὼ βο γλίεѳ трѣбнѣмъ, **χ**βαλήτε ἑγὼ βο ψαλτήρη ἡ γδλεχъ.



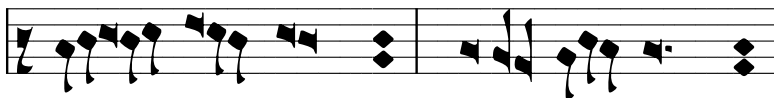
Чтò во3-дл-мы гò-по- де-ви ѡ вѣѣхъ ѡ-же во3-дл-дè нāmъ;



нāmъ рл- - дн вѣъ вѣ че- ло- - вѣ-цѣхъ,



за нс- -тлѣв- -ше-е ἑε- τε- ствò



ελο- - -βο πλότѣ вѣстѣ, ἡ вσε- -лн- -сѣ въ нѣ,



кз не-бла- го-длр-нымъ, вл-го- дѣ- телѣ: кз плѣн- - -нн-кωмъ вбо-бо- дн- телѣ:



КО Н_ЖЕ ВО ТЬМѢ СѢ_ДЛ_ - - ЦЫМ^ъ, СЛН_ -ЦЕ ПРАВ_ДЫ:



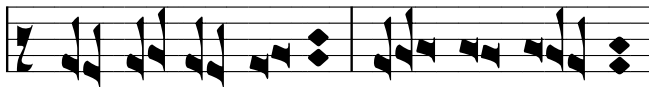
НА КР_ПѢ, БЕЗ_СТРАСТ_НЫИ:



ВО Я_ - ДѢ, СВѢТЪ:



ВЪ СМЕР_ТИ, ЖИ_ВОТ^ъ:



ВОС_КРЕ_СѢ_ - НИ_ Е, ПАД_ - ШИХЪ РА_ - ДИ.



КЪ НЕ_ МЖ_ЖЕ ВО_ ЗО_ ПИ_ ИМ^ъ: БО_ ЖЕ НАШЪ, СЛА_ - ВА ТЕ_ БѢ.

ΑΝΑΤΟΛ5

Πύλας Ἄδου συνέτριψας Κύριε, 11
 καὶ θανάτου τὸ κράτος κατήρησας, 11
 τῆ κραταιᾷ δυνάμει σου, 8

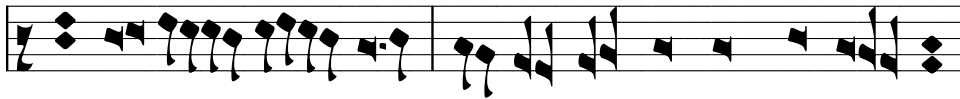
καὶ συννεύσας νεκρούς, 7
 τους ἀπ' αἰῶνος ἐν σκότει καθεύδοντας, 12
 τῆ θεία καὶ ἐνδόξω Ἀναστάσει σου, 12

ὡς Βασιλεὺς τοῦ παντός, 7
 καὶ Θεὸς παντοδύναμος. 8

→ **Χ**βαλίτε ἐγὼ ἐξ τῶνμπάνης ἡ λίψης, χβαλίτε ἐγὼ ἐξ ἐστρδναχς ἡ Ὀργάνης.



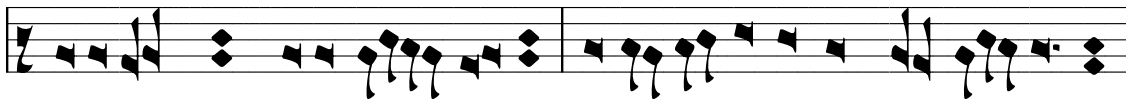
Вра-гѣ ѧ - - до- ва εο- κрѣ-шнѣ ѧ - - єн гѡ-επο-дн,



ἡ ἐμέрт- - - нѣ - ю дер- жѣ- вѣ οὔ-празд-ннѣ ѧ - - єн



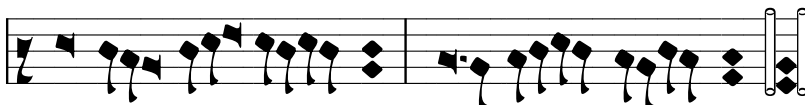
крѣп-ко-ю єн- ло- ю тѡ-έ-ю,



ἡ εο-βοэ-двнглѣ ѧ - - єн мѣрт- вы-ѡ, ἡ-же ѡ вѣ-ка εο τѣмѣ спѡ-цы-ѡ,



εο-жѣт-вен-нымъ ἡ слав-нымъ εο-кре- єέ - - нї - - емъ тѡ-нмъ,



ѧ- κω цѣрь вѣчъ ἡ бгъ все- єн- лєнъ.

Δεύτε ἀγαλλιασώμεθα τῷ Κυρίῳ, 13
 καὶ εὐφρανθώμεν ἐν τῇ Αναστάσει αὐτοῦ 13
 ὅτι συνήγειρε νεκρούς, 8
 ἐκ τῶν τοῦ Ἄδου ἀλύτων δεσμών, 10
 καὶ ἐδωρήσατο 6 τῷ κόσμῳ ὡς Θεός, 6
 ζωὴν αἰώνιον, 6 καὶ τὸ μέγα ἔλεος. 7

→ Χβαλήτε ἑγὼ ἐν κῦμβάλῃσιν δοβρογλέσνιχῃ.
 χβαλήτε ἑγὼ ἐν κῦμβάλῃσιν βοκλιτσάνιᾶ. Βεάκοε δυχάνιε δα χβαλήτῃ γᾶλ.



Πρί-η-δή-τε βοζ-ρά- δὲ- εμ- εἰ γό- επο- δε-βη,



ἦ βοζ-βε-εε- λήμ- εἰ ὦ βοε- κρε-εέ-η-η ἑ- γῶ,



ἰᾶ-κω εο-βοζ-δνή-ζε μερτ-βυ-ᾶ ὦ ἰ- δο-βυχ^z νε- ρτῆ-ση-μυχ^z οἴζ^z:



ἦ δα-ρο- βὰ μίροβη ἰᾶ- - κω εἴζ- ζήζη^h βῆτ-ηδ- ἰο,



ἦ βέ- - λί- ἰο μή- - - λοτῆ.

ΑΝΑΤΟΛ7

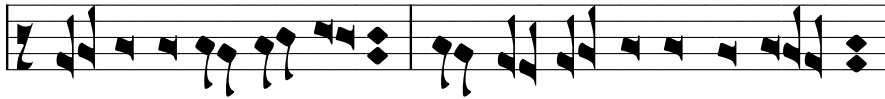
Εξαστράπτων Ἄγγελος, 7
εν τῷ λί- - θω_εκάθητο 8
τοῦ Ζωοδόχου μνήματος, 8
καί Γυναιξί Μυροφόροις 8
ευηγγελί- - ζετο λέγων. 8

Ἀνέστη ο Κύριος, 7 καθὼς προεῖπεν ὑμῖν, 7
απαγγείλατε τοῖς Μαθηταῖς αὐτοῦ, 11
ὅτι προάγει ὑμᾶς εἰς τὴν Γαλιλαίαν, 13
τῷ δὲ κόσμῳ παρέχει, 7
ζωὴν αἰώνιον, 6
καὶ τὸ μέγα ἔλεος. 7

→ Βοικρήνῃ γὰρ εἶπε μόνη, διὰ βορνερέτω ρδικὰ τρεῶν, ἢε ζαεῖδῃ οὔεόγηχζ τρεοήχζ δο κοηζὰ.



ΒΛΗ_ _ _ ετὰ_ δὴ_εω ἄγ_ _ ἴλιζ,



ΝΑ ΚΑ_ΜΕ_ΝΗ εἶ_ δά_σιε ΖΗ_ ΒΟ_ _πρῆ_έμ_ΝΑ_ΓΩ Γρό_ _βα,



ἢ ΖΕ_ΝΑΜ^z Μῦ_ρο_ Νό_ _ _εη_ ζαμ^z εἶ_ ΓΟ_ εἶετ_ε_ΒΑ_σιε, ΓΛΑ_Γό_ _λα:



ΒΟε_ κρῆ_ _εε

ΓΟ_ _επόδ^b,



ἴ_κο_ Ζε_ πρέζ_ _δε_ ρε_ _ _χέ_ ΒΑΜ^z,



ΒΟΖ_εἶε_τῆ_τε οὔ_χε_ ΝΗ_κώμ^z εἶ_ ΓΩ,



Ἰᾶ_ κω_ πρεδ_βα_ρω_εῖτ^ξ βῆ_ β^ξ γα_λι_ λέ_ _ Η:



μι_ _ρο_βη_ же_ πο_ _ _ да_ _ _ εῖτ^ξ



ἦ_ βέ_ _ λι_ ἰο_ μή_ _ _ λοῦτ^ξ.

Τί απεδοκιμάσατε 8 τόν λίθον τόν ακρογωνι--αίον, 10
 ὡ πα-ρά-νομοι Ι-ουδαίοι; 9

ούτός εστιν ο λίθος, 7⁵ ὄν ἐθετο ο Θεός εν Σιών, 10
 ο εκ πέτρας πηγάσας 7
 εν ερήμω τό ὔδωρ, 7
 καί ημίν αναβλύζων 7
 εκ τῆς πλευράς αυτου αθανασίαν, 11

ούτός εστιν ο λίθος, 7 ο εξ ὀρους Παρθενικού αποτ-μη-θείς, 12
 άνευ θελή-ματος ανδρός, 8

ο Υίος του ανθρώπου, 7 ο ερχόμενος 5
 επί τών νεφελών του ουρανού, 10
 προς τόν Παλαιόν τών ημερών, 9
 καθώς εί-πτε Δανιήλ, 7
 καί αιώνιος αυτου η Βασιλεία. 12

→ Ἡποπέμεα πεεπέ γῆν βεέμεζ εράμεμεζ μοήμεζ, ποβεέμεζ βεῶ ἰδραεῶ τβοῶ.



Πο-χιτὸ ηεβερόμα ροτβορή-ριτε κά-με-νε κῆ-ε-δ-γόλ^h-να-γω,



⊕ πρε-βεζ-ζα-κόη-νι-η ἰ-δ-αεῶ-η;



εῶ τόῃ ἔριτ^h, ἔ-γό-ζε πο-λο-ζηῆ βῆ^z βε εἶ-ώ-ηβ:

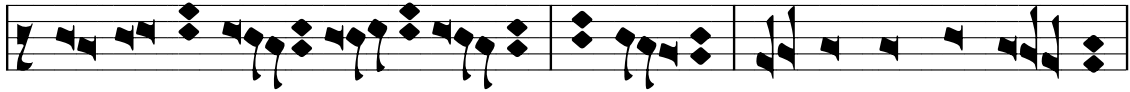


ἦ-ζε ἦζ κά-με-νε ἦε-χι-βηῆ β^z πε-τύ-ηη βό-δ,

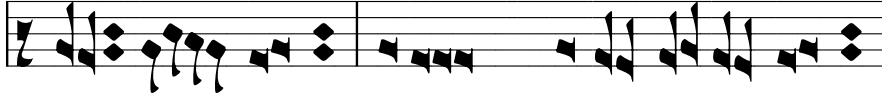


ἦ νάμεζ

⁵ pōvodne: *idou, outos estin.*



НѢ-ГО-ЧА-АИ ѿ РЕБРА СВО-ИХЪ БЕЗ-СМЕР-ТИ - Е.



СѢИ ѿТЪ КА-МЕНЬ, И-ЖЕ ѿ ГО-РЫ ДѢ-ВѢ-ЧЕ-КИ А



ѿ-СѢКА-СА БЕЗЪ ХО-ТѢ-НИ А МД-ЖЕ-КА:



СНЗ ЧЕ-ЛО-ВѢ-ЧЬ



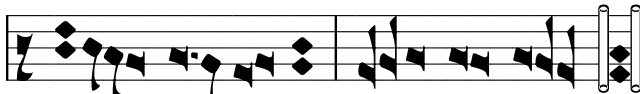
ГРА-ДЫИ НА ѾБ-ЛА-ЦѢХЪ НЕ-БЕ-СНЫХЪ,



КЗ ВѢТ-ХО-МД ДЕНЬ- - - - -МИ,



И-КО-ЖЕ РЕ-ЧЕ-ДА-НИ-И-ИЛЗ,



И ВѢ-Ч-НО ѿ-ГѢ-ЦѢ ТВО.